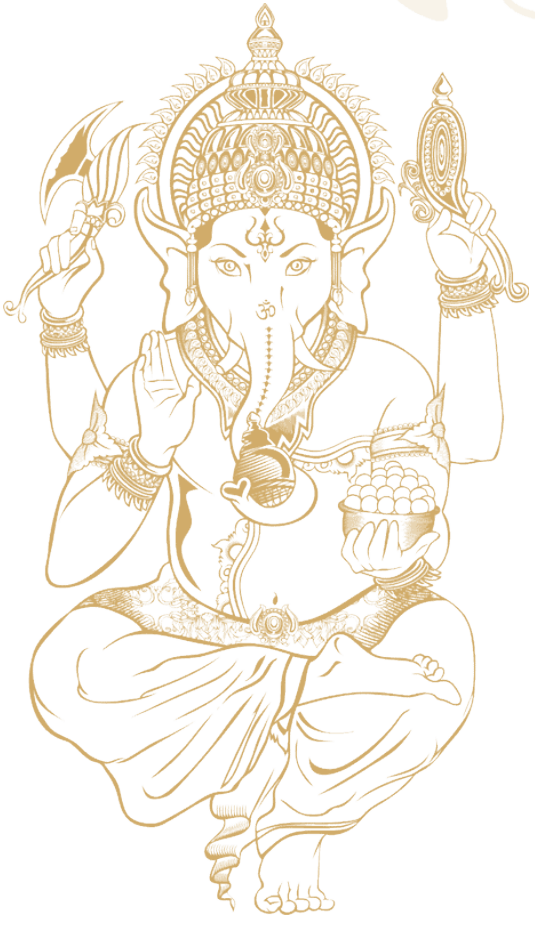

Shivangi

03 Mar 1999

08:39 AM

Buxar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121746602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/03/1999**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:39:00 घंटे**
इष्ट	05:56:54 घटी
स्थान	**Buxar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:35:00 उत्तर
रेखांश	83:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:44:56 घंटे
वेलान्तर	-00:12:05 घंटे
साम्पातिक काल	19:26:46 घंटे
सूर्योदय	06:16:14 घंटे
सूर्यास्त	17:56:23 घंटे
दिनमान	11:40:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	18:14:34 कुम्भ
लग्न के अंश	05:19:44 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	05:19:44	464:27:57	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	18:14:34	01:00:10	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	28:05:28	12:37:30	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	16:59:33	00:10:11	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			मीन	06:20:41	01:01:54	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			मीन	10:15:30	00:14:01	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	17:32:34	01:13:30	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि			मेष	06:21:38	00:05:57	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:16:10	00:02:27	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:16:10	00:02:27	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:33:50	00:03:12	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:26:02	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:37:15	00:00:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	26:12:17	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:34

लग्न-चलित

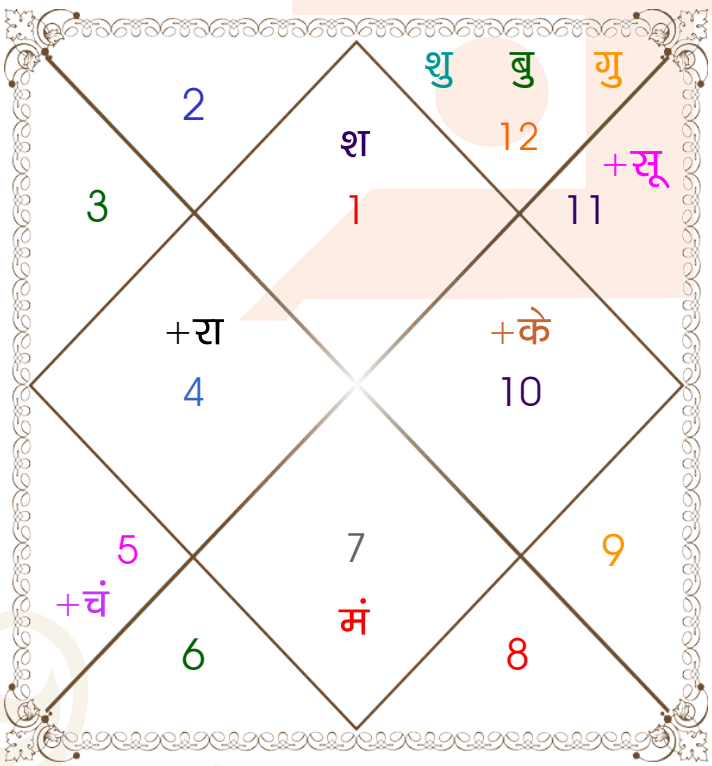

चन्द्र कुंडली

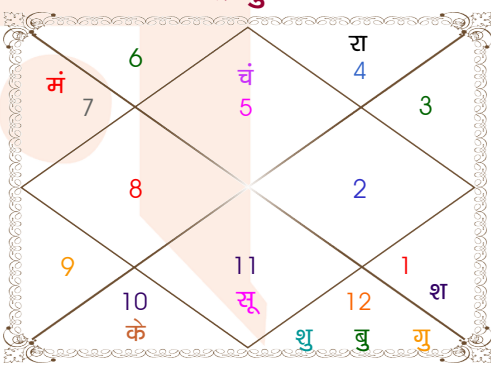

नवमांश कुंडली

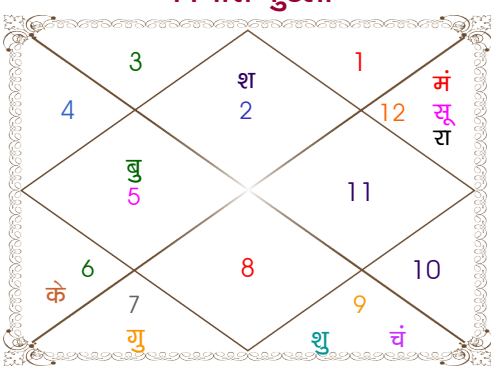

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 4 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/03/1999		11/07/2004		12/07/2014		11/07/2021		12/07/2039	
11/07/2004		12/07/2014		11/07/2021		12/07/2039		12/07/2055	
	03/03/1999	चंद्र	12/05/2005	मंगल	08/12/2014	राहु	24/03/2024	गुरु	29/08/2041
चंद्र	30/04/1999	मंगल	11/12/2005	राहु	26/12/2015	गुरु	17/08/2026	शनि	11/03/2044
मंगल	05/09/1999	राहु	12/06/2007	गुरु	01/12/2016	शनि	23/06/2029	बुध	17/06/2046
राहु	29/07/2000	गुरु	11/10/2008	शनि	10/01/2018	बुध	11/01/2032	केतु	24/05/2047
गुरु	18/05/2001	शनि	12/05/2010	बुध	07/01/2019	केतु	28/01/2033	शुक्र	22/01/2050
शनि	30/04/2002	बुध	11/10/2011	केतु	05/06/2019	शुक्र	29/01/2036	सूर्य	10/11/2050
बुध	06/03/2003	केतु	11/05/2012	शुक्र	05/08/2020	सूर्य	23/12/2036	चंद्र	11/03/2052
केतु	12/07/2003	शुक्र	10/01/2014	सूर्य	10/12/2020	चंद्र	23/06/2038	मंगल	15/02/2053
शुक्र	11/07/2004	सूर्य	12/07/2014	चंद्र	11/07/2021	मंगल	12/07/2039	राहु	12/07/2055

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/07/2055		12/07/2074		12/07/2091		12/07/2098		13/07/2118	
12/07/2074		12/07/2091		12/07/2098		13/07/2118		00/00/0000	
शनि	15/07/2058	बुध	07/12/2076	केतु	08/12/2091	शुक्र	11/11/2101	सूर्य	30/10/2118
बुध	24/03/2061	केतु	05/12/2077	शुक्र	06/02/2093	सूर्य	11/11/2102	चंद्र	04/03/2119
केतु	03/05/2062	शुक्र	04/10/2080	सूर्य	14/06/2093	चंद्र	12/07/2104		00/00/0000
शुक्र	02/07/2065	सूर्य	11/08/2081	चंद्र	13/01/2094	मंगल	11/09/2105		00/00/0000
सूर्य	14/06/2066	चंद्र	10/01/2083	मंगल	11/06/2094	राहु	11/09/2108		00/00/0000
चंद्र	14/01/2068	मंगल	08/01/2084	राहु	30/06/2095	गुरु	13/05/2111		00/00/0000
मंगल	21/02/2069	राहु	27/07/2086	गुरु	05/06/2096	शनि	13/07/2114		00/00/0000
राहु	29/12/2071	गुरु	01/11/2088	शनि	15/07/2097	बुध	13/05/2117		00/00/0000
गुरु	12/07/2074	शनि	12/07/2091	बुध	12/07/2098	केतु	13/07/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।